

भोपाल (काप्र)।

श्री सिंह ने जिले के सभी अधिकारी, कर्मचारी अपने-अपने मुख्यालय पर उपस्थित रहेंगे तथा सार्वजनिक अवकाशों में भी उनके मुख्यालय खुले रहेंगे। यदि शासकीय कार्य से मुख्यालय से बाहर जाना है तो उसकी अनुमति भी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी से प्राप्त करेंगे। ऐसे कर्मचारी जो निर्वाचन आचार संहिता प्रारंभ होने के पूर्व ही अवकाश पर हैं उनके अवकाश प्रकरण जिला निर्वाचन कार्यालय को प्रस्तुत करें एवं जो कर्मचारी मेडिकल अवकाश पर हैं उनके अवकाश मेडिकल बोर्ड की स्वीकृति उपरांत ही मान्य किये जाएंगे।

भोपाल (काप्र)।

इस दौरान 6 लाख 58 हजार 157 लीटर मदिरा भीजवत की गयी है, इसका मूल्य 10 करोड़ 56 लाख 21 हजार 800 रुपये है। इसी तरह 4 करोड़ 53 लाख 33 हजार 8 रुपये मूल्य के 8 हजार 696 किलोग्राम ड्रग्स और 3 करोड़ 32 लाख

**दूसरे चरण के लिए आज से भरे
जाएंगे नाम निर्देशन पत्र**

अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के दूसरे चरण में मध्य प्रदेश के 7 लोकसभा क्षेत्रों में 28 मार्च से नाम निर्देशन पत्र भरें जायेंगे। श्री राजन ने बताया कि प्रदेश में 4 चरणों में लोकसभा चुनाव होने हैं। दूसरे चरण में लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-6 टीकमगढ़ (अजा), क्रमांक-7 दमोह, क्रमांक-8 खजुराहो, क्रमांक-9 सतना, क्रमांक-10 रीवा, क्रमांक-17 होशंगाबाद और क्रमांक- 29

**अभ्यर्थी सहित 5 व्यक्ति ही
आरओ कक्ष में कर सकेंगे प्रवेश**

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि नामांकन भरने पहुंचे अभ्यर्थी के साथ 4 व्यक्ति ही रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष

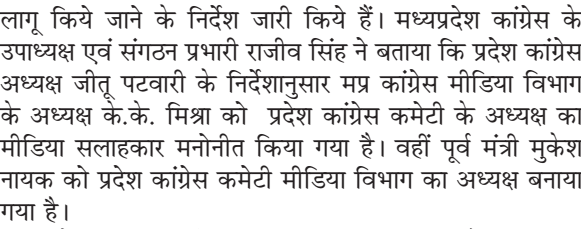
में प्रवेश कर सकेंगे। 100 मीटर के अंदर केवल तीन वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। नामांकन भरने की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू होगी और दोपहर 3 बजे तक चलेगी। 3 बजे के उपरांत कक्ष में किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं अथवा दस्तावेज लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अभ्यर्थियों को सभी सुसंगत एवं आवश्यक दस्तावेज जैसे नामांकन फार्म जमानत राशि का प्रमाण, प्रारूप-ए एवं बी, शपथ पत्र आदि के साथ आर ओ कक्ष में आना होगा। यदि अभ्यर्थी उसी निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक नहीं है, जहां से वह चुनाव लड़ रहा है तो अभ्यर्थी को संबंधित निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली की प्रतियां निर्वाचक नामावली से संबंधित भाग की प्रमाणित प्रतिलिपित करनी होगी। एक अभ्यर्थी एक ही निर्वाचन क्षेत्र

**बालाघाट लोकसभा के तीन
विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 7 से
शाम 4 बजे तक होगा मतदान**

श्री राजन ने बताया कि पहले चरण में प्रदेश के 6 लोकसभा क्षेत्रों में 19 अप्रैल को मतदान होगा। बालाघाट लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत आने वाले तीन विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 7

से शाम 4 बजे तक और बाकी जगहों पर सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। श्री राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक-11 सीधे क्रमांक-12 शहडोल (अजजा), क्रमांक-13 जबलपुर, क्रमांक-14 मंडला (अजजा) तथा क्रमांक-15 बालाघाट के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र क्रमांक- 112- वारासिवनी, 113- कटंगी, 114- बरघाट, 115- सिवनी और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 16-छिन्दवाड़ा में मतदान प्रक्रिया सुबह 7 से शाम 6 बजे तक चलेगी। जबकि लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक-15 बालाघाट के ही अंतर्गत आने वाले तीन विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-108 बैहूर, 109- लांजी और 110-पर्सवाड़ा में मतदाता सुबह 7 से शाम 4 बजे तक मतदान कर सकेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष के मीडिया सलाहकार होंगे मिश्रा



इसके अलावा सर्वश्री भूपेन्द्र गुप्ता, मृणाल पंत, शैलेन्द्र पटेल, कुणाल चौधरी, विपिन वानखेडू, विनय सक्सेना, सुश्री निशा बांगरे, श्रीमती रोशनी यादव और अब्बास हफीज को प्रदेश कांग्रेस कमिटी में मुख्य प्रवक्ता मनोनीत किया गया है। इसके साथ ही सर्वश्री डॉ. अशोक मर्सकोले, बैजनाथ कुशवाहा, रवि सक्सेना, अमित शर्मा, राम पाण्डेय, मिथुन अहिरवार, रवि वर्मा, सुश्री फरहाना खान, आर.पी. सिंह, स्वदेश शर्मा, सुश्री संगीता शर्मा, अवनीश बुढेला, राजकुमार केलू उपाध्याय, योगेश यादव, विवेक त्रिपाठी, सुश्री अपराजिता पाण्डेय, संतोष गौतम, अनंद जाँट, अभिनव बरोनिया, सुश्री स्पर्श चौधरी, सुश्री अरुनी बंसल और सुश्री रीना बोरासी को प्रदेश कांग्रेस कमिटी में प्रवक्ता मनोनीत किया गया है।

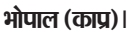
भोपाल (काप्र)।

मप्र में आदिवासी छात्रों की छात्रवृत्ति रुक गई है। करीब 7 लाख से अधिक छात्रों के पैसे केंद्र सरकार के पास अटकी हुई है। यह स्थिति जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण उत्पन्न हुई है।

अधिकारियों के इस लापरवाही का नतीजा अब प्रदेश के आदिवासी छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि केंद्र ने 140 को सिर्फ पोस्ट मॉट्रिक छात्रवृत्ति का 140 करोड़ रुपए ही जारी किया है। जबकि छात्रवृत्ति का 468 करोड़ रुपए अभी तक केंद्र सरकार से नहीं मिला है, जबकि ये वित्तीय वर्ष खत्म होने जा रहा है। गौतमलब है की प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में आदिवासी समाज है। इस समाज के लिए सरकार के प्रधाने हमेशा खुले रहते हैं। लेकिन प्रदेश के आदिवासी और अनुसूचित जाति वर्ग के छात्र-छात्राओं के सानु केंद्र और राज्य दोनों के भेदभाव की इस खबर ने सभी को चौंका दिया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 का करीब 7 लाख से ज्यादा छात्र-छात्राओं को मिलने वाली छात्रवृत्ति का 468 करोड़ रुपए अभी तक केंद्र सरकार से नहीं मिला है, जबकि ये वित्तीय वर्ष खत्म होने जा रहा है। केंद्र ने

मप्र को सिर्फ पोस्ट मीट्रिक छात्रवृत्ति का 140 करोड़ रुपए ही जारी किया है। उधर, समेकित छात्रवृत्ति और वृहद निर्माण कार्यों को कराने विभाग के पास पैसे की कमी नहीं है, लेकिन छात्र-छात्राओं के मामले में कंजूसी बरती जा रही है।

500 करोड़ के बजट का प्रावधान
: वित्त विभाग केंद्र सरकार से मिलने वाले फंड की माँतिंग करता है। इसके तहत इस साल 11वीं एवं 12वीं सत्रित महाविद्यालयीन छात्रों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने 500 करोड़ रुपए का बजट का प्रावधान किया गया था। इसमें से राज्य सरकार ने अपने बजट से 125 करोड़ रुपए तो जारी कर दिए, लेकिन केंद्र से मिलने वाले 375 करोड़ रुपए की राशि अभी तक नहीं मिली है। वहीं 9वीं एवं 10वीं के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देने 125 करोड़ के बजट प्रावधान में से राज्य सरकार ने 31.25 करोड़ की राशि रखी और केंद्र से मिलने वाले 93.75 करोड़ रुपए अभी तक नहीं मिल सके हैं, जिससे करीब 7 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं -छात्राएं छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित हैं। वैसे केंद्र से विशेष पिछड़ी जनजातियों का विकास के लिए मिलने वाले 10 करोड़ तथा जनजाति संस्कृति का संरक्षण अनुसंधान और ट्रेनिंग का भी 10 करोड़ रुपए मप्र को नहीं दिया है।



भाजपा प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, वरिष्ठ नेता विनोद गोठिया एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अप्रवाल के समक्ष भाजपा प्रदेश कार्यलय में बुधवार को नर्मदापुरम जिले के भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन नगर इकाई और जिला युवक कांग्रेस के पूर्व जिला महामंत्री व छात्र नेता समीर जायसवाल सहित 20 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं, युवाओं के साथ भाजपा की दलस्थता ग्रहण की। पार्टी नेताओं ने अंगवस्त्र

पहनाकर उनका स्वागत किया।

भाजपा में शामिल होने वाले श्रीमती रीनु मौर्य, सुश्री प्रियंका कवि केवट, दीपिका चौहान, भार्गव, पंकज बिलरवान, सुश्री नामदेव, संजय जायसवाल, साहू, सुश्री रोशनी शाक्य, चौबे, प्रशांत मौर्य, कुलदीप कुसौरभ गौर, सुश्री पायल सुश्री पूजा मौर्य, ऋतु मौर्य, विशाखा विश्वकर्मा और देवा पूर्व पाषांड कर्नाट सुरेश शामिल हैं।

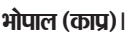
भगवानदास सबनानी ने पा

शामिल हुए कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीब कल्याण, सुशासन और विकास कार्यों के साथ भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर बृथ्वा स्तर तक के लोक भाजपा में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस पूरे देश में धराशायी हो गई है। कांग्रेस पार्टी हताशा व निराशा के दौर से गुजर रही है, राष्ट्रवादी सोच के लोग लगातार कांग्रेस छोड़ रहे हैं। भाजपा का परिवार लगातार बढ़ रहा है, यह देश की जनता का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अटूट विश्वास है।

भोपाल (काप्र)।

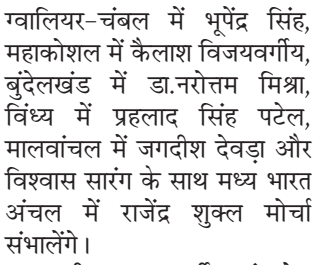
लोकसभा चुनाव 2024 का बिगुल बज गया है। राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां भी तेज कर दी हैं। बीजेपी ने बिहार में अपने स्टार प्रचारकों को लिस्ट जारी कर दी है। जिसमें मध्य प्रदेश के मुखिया मोहन यादव को भी स्थान में मिला है।

एमपी की तरह बिहार के लिए हाईकमान ने 40 नामों की सूची की जारी की है। जातिगत फेक्टर के लिहाज से बिहार में लगातार मोहन यादव कर रहे प्रचार कर रहे हैं। मोहन यादव एमपी के साथ बिहार और यूपी में भी दौरे कर चुके हैं। गौरलाल है कि बिहार में 2024 के लिए लोकसभा चुनाव सात चरणों में होने वाले हैं, जो 19 अप्रैल से शुरू होकर 1 जून को समाप्त होंगे। यह चुनाव महत्वपूर्ण हैं क्योंकि बिहार में 40 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र हैं, जो इसे भारतीय राजनीति में सबसे महत्वपूर्ण राज्यों में से एक बनाता है। लोकसभा में चौथी सबसे अधिक सीटें होने की वजह से बिहार में इस बार भी 7 चरणों में चुनाव होने हैं। बिहार में पहले चरण में 4, दूसरे-तीसरे, चौथे और पाँचवें चरण में 5-5, छठे-सातवें फेज में 8-8 सीटों पर वोटिंग होगी।

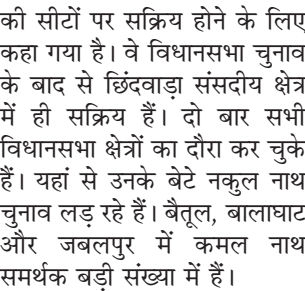


लोकसभा चुनाव के लिए मध्य प्रदेश में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मैदान संभालेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कांतिलाल भूरिया स्वयं चुनाव लड़ रहे हैं, इसलिए अभी वे अपने चुनाव पर फोकस करेंगे। जबकि, कमल नाथ महाकौशल, विवेक तन्खा बुंदेलखंड, अरुण यादव और उमंग सिंघार मालवांचल, अजय सिंह विन्ध्य और डॉ. गोविंद सिंह ग्वालियर-अंचल अंचल की सीटों को देखेंगे।

उधर, भाजपा ने भी वरिष्ठ नेताओं को मैदान में उतार दिया है। प्रदेश को सात क्लस्टर में बांटकर उसके प्रभारी बनाए गए हैं।



भारतीय जनता पार्टी जहाँ प्रदेश की सभी 29 सीटों जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है तो कांग्रेस के सामने अपना वजूद बनाए रखने की चुनौती है। विधानसभा चुनाव करारी हार के बाद कांग्रेस ने रणनीति के तहत उन सीटों पर फोकस किया है जहाँ विधानसभा चुनाव में उसे मतदाताओं का सहारा मिला था। पूर्व मोशुल अंचल नाथ की महाकोश्र्व अंचल में पकड़ है इसलिए उन्हें इसी अंचल



अजय सिंह का विंध्य में है प्रभाव



अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के भरोसेमंद हैं। तोमर की रणनीति को जमीन पर उतारने का काम भूपेंद्र सिंह ही करेंगे। उल्लेखनीय है कि मुरैना, ग्वालियर और भिंड लोकसभा क्षेत्र से तोमर समर्थकों को प्रत्याशी बनाया गया है।

विजयवर्गीय को महाकौशल की जिम्मेदारी

महाकौशल अंचल की जिम्मेदारी संगठन कौशल और चुनाव प्रबंधन में माहिर कैलाश विजयवर्गीय को दी गई है। वे कांग्रेस के अभेद गढ़ छिंदवाड़ा को भेदने के लिए दो-तीन बार दौरा कर चुके हैं। कांग्रेस के कई नेताओं का दलबदल उनके मार्गदर्शन में हुआ तो वे अब बूथ प्रबंधन की कामवाट में जुटे हैं। खजुराहो समेत

